

QUICK REVISION NOTES**अनुताप****लघुकथा****सुकेश साहनी**

श्री सुकेश साहनी का जन्म 5 दिसंबर, 1956 में हुआ। उनका जन्मस्थान उत्तरप्रदेश के लखनऊ है। डरे हुए लोग, ठंडी रजाई आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। वे माता शरबती देवी पुरस्कार से सम्मानित थे। निम्न मध्यवर्ग की पीड़ा और निराशा उनकी विशेषता है।

प्रमुख पात्र:**1. असलम:**

- ✓ रिक्शावाला।
- ✓ रोज़ यात्री को दफ़्तर पहुँचाता था।
- ✓ दोनों गुर्दों में खराबी थी, इसलिए डॉक्टर ने रिक्शा चलाने से मना कर रखा था।
- ✓ एक दिन यात्री को दफ़्तर पहुँचाकर लौटते समय उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया था।

2. यात्री:

- ✓ असलम की मृत्यु की खबर सुनकर शाक-सा लगा।
- ✓ कल की घटना उसकी आँखों के आगे सजीव हो उठी।
- ✓ असलम की परेशानी देखकर रिक्शे से उतरने की इच्छा हुई।
- ✓ हमदर्दी के अभाव में वह रिक्शा में ही बैठा।
- ✓ कार के हार्न से चौंककर वर्तमान में आ गया।
- ✓ रिक्शा से उतरकर अपराधी की तरह सिर झुकाए रिक्शे के साथ-साथ चला।

3. नए रिक्शावाला:

- ✓ असलम के अभाव में यात्री को दफ़्तर पहुँचाते हैं।
- ✓ असलम की मृत्यु के बारे में बताते समय उसकी आवाज़ में गहरी उदासी थी।
- ✓ मज़बूत कदकाठी आदमी।
- ✓ उसके लिए वह चढ़ाई खास मायने नहीं रखती थी।
- ✓ हैरानी से यात्री की ओर देखा।

POSSIBLE QUESTIONS:

- | | |
|---------------------|-----------------|
| • Objective type | - 1 mark |
| • Very short Answer | - 1 or 2 marks. |
| • Short Answer | - 4 or 6 marks |
| • Long Answer | - 8 marks |

मधुऋतु**कविता****जयशंकर प्रसाद**

श्री जयशंकर प्रसाद का जन्म 30 जनवरी 1889 को उत्तर प्रदेश के वारणासी में हुआ। वे छायावादी कवियों में अग्रणी थे। कामायनी, आँसू, झरना आदि उनकी श्रेष्ठ काव्य रचनाएँ हैं। उनकी मृत्यु 14 जनवरी 1937 को हुई।

कविता के बारे में:

- ✓ मधुऋतु (वसंतकाल) रूपी प्रेमिका पथ भूलकर दो दिन केलिए आ गई है।
- ✓ मधुऋतु रूपी व्यथा साथिन केलिए मैं एक छोटी कुटिया बना दूँगा।
- ✓ धरती और आकाश के बीच, सबसे अलग, वह प्रेम का नीड़ स्थित है।
- ✓ जंगल के स्थाई पतझड़ में सूखे और फ़ालतू को भागना है।
- ✓ आशा के नए-नए अंकुर झूलेंगे, पल्लव पुलकित होंगे।
- ✓ मेरे किसलय का यह छोटा संसार किसी को बुरा नहीं लगेगा।
- ✓ मलयानिल की लहरें रोमांचित होकर मन के नयन रूपी कमल को चूमकर जगाएँगी।
- ✓ छोटे संसार में पूरब से लाल फूल की तरह उषा खिलेगी।
- ✓ उषा के लाल होंठों का रंग दिन को रंगीन बना देगा।
- ✓ रात में अंधकार के सागर पार करके धरती पर चाँदनी फैली जाएगी।
- ✓ अंतरीक्ष से प्रकृति के कण-कण में ओर की बूँदों की वर्षा होगी।
- ✓ एकांत सृजन में कोई बाधा मत डालो।
- ✓ अपने में जो कुछ सुंदर है, उन्हें इनको दे देने दो।

- कविता की आस्वादन टिप्पणी ध्यान से पढ़ें।

समानार्थी शब्दों पर ध्यान रखें।

POSSIBLE QUESTIONS:

- Objective type - 1 mark
- Very short Answer - 1 or 2 marks.
- Short Answer - 4 or 6 marks
- Long Answer - 8 marks

सूचना का अधिकार अधिनियम**पत्र**

- ✚ पत्र लिखने केलिए दिए गए प्रश्न को ध्यान से पढ़कर **विषय अच्छी तरह समझना** है।
- ✚ आवेदक का नाम (प्रेषक), यदि दिए तो उसे लिखें। नहीं तो सिर्फ 'नाम' व 'पता' लिखें। (अपना 'नाम' व 'पता' न लिखें।)
- ✚ किस विभाग को पत्र लिखना है, उसी के अनुकूल 'सेवा में' लिखें। ऊपर दायीं ओर 10 रुपए का डाक टिकट अनिवार्य है।
- ✚ सूचना का विवरण 'प्रश्न' के रूप में लिखें। प्रश्न एक या एक से अधिक हों। प्रश्नों के उत्तर न लिखें।
- ✚ नीचे दायीं ओर आवेदक का हस्ताक्षर और नाम लिखें। बायीं ओर स्थान और तारीख हों। (8 अंक का प्रश्न। ज़रा ध्यान रखें तो पूरे अंक मिलेगा।)
- ✚ ചോദ്യം ശ്രദ്ധയോടെ വായിച്ച് വിഷയം തിരിച്ചറിയുക.
- ✚ അപേക്ഷകന്റെ പേര് (പ്രേക്ഷകൻ - പ്രേषक) ചോദ്യത്തിൽ വ്യക്തമാക്കിയിട്ടുണ്ടെങ്കിൽ അത് തന്നെ എഴുതാം. (അല്ലാത്ത പക്ഷം പേര്, അഡ്രസ്സ് - नाम, पता) എന്നെഴുതിയാൽ മതിയാകും. സ്വന്തം പേരും അഡ്രസ്സും എഴുതരുത്)
- ✓ എത് വിഭാഗത്തിലേക്കാണ് കത്തെഴുതേണ്ടത് എന്നത് ചോദ്യത്തിൽ നിന്നും കണ്ടെത്തി സ്വീകർത്താവിന്റെ (सेवा में/To) അഡ്രസ്സ് എഴുതണം. മുകളിൽ വലതുവശത്തായി 10 രൂപയുടെ സ്റ്റാമ്പ് (10 रुपए) അനിവാര്യം. ആവശ്യപ്പെടുന്ന വിവരങ്ങൾ ചോദ്യരൂപത്തിലായിരിക്കണം. ചോദ്യങ്ങൾ ഒന്നോ ഒന്നിലധികമോ ആകാം. (ചോദ്യങ്ങളുടെ ഉത്തരം എഴുതേണ്ട ആവശ്യമില്ല.) താഴെ വലതുവശത്ത് അപേക്ഷകന്റെ പേരും ഒപ്പും, ഇടതു വശത്ത് സ്ഥലവും തീയതിയും അനിവാര്യം. (ആകാലിക പ്രസക്തിയുള്ള എത് വിഷയവും പ്രതീക്ഷിക്കാം.)

QUESTION:

सूचना का अधिकार पत्र लिखने के लिए 8 स्कोर का प्रश्न।

Options ഉണ്ടെങ്കിൽ നിശ്ചയമായും എഴുതണം.

जुलूस**नाट्यरूपांतर****चित्रा मुदगल**

श्रीमती चित्रा मुदगल का जन्म 10 दिसंबर 1944 को चेन्नै में हुआ। गिलिगडू, आवाँ, भूख आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। स्त्री-पुरुष समभावना और नारी उत्पीड़न के प्रति विरोध आदि उनकी खास विशेषताएँ हैं।

जुलूस:

- स्वतंत्र सेनानियों का जुलूस।
- सड़क के पास के बाज़ार में दूकानदारों का बहस।
- बीरबल सिंह के नेतृत्व में जुलूस को रोकना।
- लाठी चार्ज करना।
- स्वराजियों घायल हो जाना।
- इब्राहिम अली घोड़े से कुचल जाना।
- शहर में संघर्ष।
- देशप्रेम से प्रभावित जनता जुलूस में भाग लेते हैं।
- लोगों की मनोवृत्ति में आया बदलाव में इब्राहिम अली खुश हुए।
- जनता की सहानुभूति प्राप्त करना ही लक्ष्य रहा।

प्रमुख पात्र:**1. इब्राहिम अली:**

स्वतंत्रता सेनानी, जनता को एकत्रित करके अंग्रेज़ों के विरुद्ध देश की स्वतंत्रता के लिए आवाज़ उठाया।

अंत में देश की स्वतंत्रता के लिए आत्मबलिदान किया।

- ✓ देशभक्त
- ✓ अहिंसावादी
- ✓ दृढ़चित्त
- ✓ निडर
- ✓ शुभचिंतक
- ✓ आत्मविश्वासी
- ✓ साथियों पर भरोसा रखनेवाला

2. बीरबल सिंह:

अंग्रेज़ों का दास। नया दारोगा। स्वतंत्रता आंदोलन के विघातक। लोग उसे 'जल्लाद' बुलाते थे।

- ✓ देश द्रोही
- ✓ निष्ठूर
- ✓ अंग्रेज़ी सरकार का आज्ञाकारी
- ✓ भीरू

- ✓ निर्दय
- ✓ स्वतंत्रता आंदोलन के विध्वंसक

3. मैकू:

दूकानदार। बाज़ार में चप्पलों का दूकान चलाता था। सच्चे देशप्रेमी, जो अपने पास के दूकानदारों को भी देशप्रेमी होने की प्रेरणा भी देती है।

- ✓ देशप्रेमी
- ✓ गाँधीजी के अनुयायी
- ✓ साहसी
- ✓ निडर
- ✓ स्वराजियों का समर्थक
- ✓ दृढ़चित्त

4. शंभुनाथ:

दूकानदार। सड़क के पास के बाज़ार में दूकान चलाती है। पहले स्वतंत्रता आंदोलन के विरोध में व्यंग्य भरी आवाज़ उठाते हैं तो आगे चलकर वह एक देशप्रेमी बनते हैं और देश के लिए शहीद बनने के लिए भी तैयार होते हैं।

- ✓ भीरू
- ✓ हँसी-मज़ाक उठानेवाला आदमी
- ✓ नकारात्मक दृष्टिकोण वाला
- ✓ विद्रोही मनोभावी
- ✓ अंत में मन परिवर्तित होकर देशस्नेही बनते हैं।

5. दीनदयाल:

दूकानदार। सड़क के पास के बाज़ार में दूकान चलाती है। स्वराजियों का जुलूस देखकर हँसी तो उठाते हैं। जुलूस पर उन्हें विश्वास नहीं था। देशस्नेही है, लेकिन जुलूस में भाग लेने का दिक्कत उनमें नहीं था।

- ✓ देशस्नेही
- ✓ भीरू
- ✓ हँसी-मज़ाक वाला
- ✓ नकारात्मक दृष्टिकोण
- ✓ अंत में सबकुछ भूलकर जुलूस में भाग लेते हैं।

पात्रों का चरित्र चित्रण पर ज़रा ध्यान दें।

POSSIBLE QUESTIONS:

- | | |
|---------------------|-----------------|
| • Objective type | - 1 mark |
| • Very short Answer | - 1 or 2 marks. |
| • Short Answer | - 4 marks |

दोहे**कविता****कबीरदास**

भक्तकाल के ज्ञानाश्रयी शाखा के सर्वश्रेष्ठ कवि कबीरदास का जन्म 1398 ई को काशी में हुआ। वे समाज सुधारक थे। बीजक आपकी प्रमुख रचना है। सच्चाई को सबसे श्रेष्ठ हथियार माननेवाले कबीरदास की मृत्यु 1518 ई को मगहर में हुई।

1. बुरा जो देखन देखन में चला, बुरा न मिलिया कोय।

जो दिल खोजों आपना, मुझ-सा बुरा न कोय।।

- ✓ मैं दूसरे व्यक्तियों में बुराई ढूँढ़ने निकला तो नहीं मिला।
- ✓ आत्मनिरीक्षण करने पर पता चला कि मुझ से बुरा कोई नहीं है।
- ✓ अपने को पहचाननेवाला सच्चे ज्ञानी है।

2. लघुता से प्रभुता मिले, प्रभुता से प्रभु दूर।

चींटी ले शक्कर चली, हाथी के सिर धूर।।

- ✓ विनम्रता से महत्व मिलता है।
- ✓ विनम्र होते समय, ईश्वर प्राप्ति होती है।
- ✓ हाथी और चींटी का उदाहरण।
- ✓ हाथी के सिर पर धूलि और चींटी के सिर पर शक्कर है।
- ✓ चींटी लालित्य और विनम्रता का प्रतीक है तो हाथी अहंकार का प्रतीक है।
- ✓ अहं दूर होने से महत्व बढ़ता है।
- ✓ विनम्रता में मनुष्य का गुण सौगुणा बढ़ता है।

3. दुख में सुमिरन सब करै, सुख में करै न कोय।

जो सुख में सुमिरन करै, तो दुख काहे कोय।।

- ✓ दुख में ईश्वर की स्मरण करता है। सुख में नहीं करता है।
- ✓ सुख में भी ईश्वर स्मरण करें तो जीवन में कभी भी दुख नहीं होता।
- ✓ ईश्वर स्मरण का महत्व।

4. कामी क्रोधी लालची, इनते भक्ति न होय।

भक्ति करै कोई सूरमा, जाति बरन कुल खोय।।

- ✓ बुरी वासनाओं से दूर रहें।
- ✓ काम, क्रोध और लोभ से भक्ति नहीं होती।
- ✓ जाति, वर्ण और कुल का मोह को त्याग करने से सच्चे शूर बनते हैं।
- ✓ समभाव शूर का लक्षण है।

5. साई इतना दीजिए, जामे कुटुंब समाय।

मैं भी भूखा न रहूँ, साधु न भूखा जाय।।

- ✓ इतना दीजिए, जिससे अपने परिवार सँभाल करें।
- ✓ जीवन की शांति सादगी में है।

- समानार्थी शब्द। प्रत्येक दोहे का भावार्थ।

POSSIBLE QUESTIONS:

- Objective type - 1 mark
- Very short Answer - 1 or 2 marks.
- Short Answer - 4 marks

फिल्मी समीक्षा

किस मनपसंद फिल्म की समीक्षा लिखना। 8 अंक का प्रश्न।

Options ഉണ്ടെങ്കിൽ നിശ്ചയമായും എഴുതണം.

चाँद और कवि

कविता

रामधारी सिंह दिनकर

श्री रामधारी सिंह दिनकर का जन्म 23 सितंबर 1908 को बिहार में हुआ। कुरुक्षेत्र, उर्वशी, संस्कृति के चार अध्याय आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। उनको 1972 में ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला। वे साहित्य तथा संस्कृति के गंभीर अध्येता तथा व्याख्याता थे। उनकी मृत्यु 24 अप्रैल 1974 को हुई।

कविता के बारे में:

- ✓ रात की खामोशी में गगन का चाँद कवि से बातें करते हैं।
- ✓ मनुष्य विचित्र जीव है, उलझने अपना बनाकर उसमें फँसता है और फिर बेचैन होकर जागता न सोता है।
- ✓ तुम जैसे पागलों को लाखों बार मैं ने देखा है, जो चाँदनी में बैठ सपनों को सही करते हैं।
- ✓ मनुष्य का सपना पानी का बुलबुला है, आज बनता है और फिर टूट जाते हैं।
- ✓ कवि की रागिनी बोली।
- ✓ आग में उसे गला कर लोहा बनाती हूँ।
- ✓ आपके सामने मनुपुत्र है, जिसके कल्पना के जीभ में भी धार होती है।
- ✓ विचारों के हाथ में ही नहीं, सपनों के हाथ में भी तलवार होती है।
- ✓ स्वर्ग के सम्राट से खबर दें, रोज़ आकाश की ओर चढ़ते आ रहे हैं ये मानव।

- समानार्थी शब्द।
- कविता की आस्वादन टिप्पणी।

POSSIBLE QUESTIONS:

- Objective type - 1 mark
- Very short Answer - 1 or 2 marks.
- Short Answer - 4 or 6 marks
- Long Answer - 8 marks

आनंद की फुलझड़ियाँ**निबंध****अनंत गोपाल शेवड़े**

श्री अनंत गोपाल शेवड़े का जन्म 1911 को हुआ। वे अहिंदी भाषी हिंदी लेखक थे। निशागीत, ज्वालामुखी, तीसरी भूख आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। हिंदी भाषा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने में उनका योगदान रहा। 1979 में उनकी मृत्यु हुई।

एक नज़र.....

सं	घटना	पात्र	स्थान
1	आम की गुठलियाँ	बूढ़ा आदमी - नौजवान	सड़क के किनारे
2	फूल-फलों के बीज फेंकना	वृद्ध संभ्रांत महिला - सहयात्री	रेलगाड़ी
3	गरीब विद्यार्थी की मदद करना	अमेरिका के प्रेसीडेंट - गरीब विद्यार्थी	अमेरिका में
4	टिकट के लिए छीना-झपटी	लेखक - टिकट बाबू	रेलवे स्टेशन में
5	क्लर्क की हस्तलिपि	लेखक - बैंक का क्लर्क	बैंक में

घटनाओं का सारांश:**(1) आम की गुठलियाँ:**

- ✓ बूढ़ा आदमी ज़मीन खोदकर आम की गुठलियाँ बो रहा है।
- ✓ नौजवान ने पूछा, इसका फल कब खाओगे, बाबा?
- ✓ बूढ़ा आदमी ने तुरंत उत्तर दिया, इसका फल तो मेरे-तुम्हारे नाती-पोते के लिए है।
- ✓ ये सारे वृक्ष हमें देखते हैं, उसके बीज हमारे पूर्वजों ने बोया था।
- ✓ यदि हम सब इस वृत्ति को हृदयंगम करें तो दुनिया में अधिक आनंद की सृष्टि हो सकेगी।

(2) फूल-फलों के बीज:

- ✓ वृद्ध महिला रेलगाड़ी से यात्रा करते वक्त अपनी मुट्ठी से कुछ चीज़ बाहर फेंक रही थीं।
- ✓ सहयात्री ने पूछा, यह आप क्या कर रही हैं?
- ✓ महिला ने उत्तर दिया कि ये सुंदर फूल-फलों का बीज इस उम्मीद से फेंक रही हूँ कि यदि कुछ जड़ पकड़ें तो लोगों का कुछ फायदा होगा।

(3) गरीब विद्यार्थी की मदद:

- ✓ अमेरिका के प्रेसीडेंट बेंजामिन फ्रैंकलीन के पास एक गरीब विद्यार्थी मदद माँगने आया।
- ✓ उन्होंने 20 डॉलर दिए।
- ✓ उस छोटी रकम देकर वह भूल गए।
- ✓ जब उसके दिन फिरे वह उस 20 डॉलर लौटाने गया।
- ✓ प्रेसीडेंट ने इसे उसके पास रखकर ज़रूरतमंदों को देने को कहा।
- ✓ आज भी वह रकम अमेरिका में ज़रूरतमंदों के हाथों में घूम रही है।

(4) टिकट के लिए छीना-झपटी:

- ✓ लेखक मुंबई जा रहे थे।
- ✓ युद्ध के कारण गाड़ियों की संख्या कम थी और भीड़ ज़्यादा अधिक।
- ✓ टिकट के लिए खिड़की के पास भीड़ तो ज़्यादा अधिक था।
- ✓ छीना-झपटी होती थी।
- ✓ टिकट बाबू की परेशानी देखकर लेखक कुछ मधुर बात कही, उसका गहरा प्रभाव टिकट बाबू पर पड़ा।
- ✓ लेखक के सहानुभूति भरे शब्दों ने टिकट बाबू को नई ताकत दी।

✓ वह उत्साह से टिकट काटकर भीड़ छाँटना शुरू किया।

(5) क्लर्क की हस्तलिपि:

- ✓ लेखक बैंक में हिसाब खोलने के लिए गया।
- ✓ क्लर्क उससे सवाल पूछकर पासबुक में दर्ज कर रहे थे।
- ✓ लेखक ने देखा, उस क्लर्क का अक्षर बहुत सुंदर है।
- ✓ उसने तुरंत ही 'ब्यूटीफुल' कहा।
- ✓ जिसे सुनकर क्लर्क बहुत खुश हुए।

- पाठ भाग अच्छी तरह पढ़ें। प्रत्येक घटना, पात्र आदि ध्यान से समझ लें।

POSSIBLE QUESTIONS:

- Objective type - 1 mark
- Very short Answer - 1 or 2 marks.
- Short Answer - 4 or 6 marks
- Long Answer - 8 marks

पत्थर की बेंच

कविता

चंद्रकांत देवताले

श्री चंद्रकांत देवताले का जन्म 7 नवंबर 1936 को मध्यप्रदेश में हुआ। उसके सपने, पत्थर फेंक रहा हूँ आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। उन्होंने पुरानी पीढ़ी के अग्रणी कवि एवं समकालीन कविता के सशक्त हस्ताक्षर हैं। वे माखनलाल चतुर्वेदी पुरस्कार से सम्मानित थे।

एक नज़र.....			
सं	पत्थर की बेंच पर बैठनेवाले	वे क्या कर रहे हैं?	संवेदना क्या-क्या हैं?
1	रोता हुआ बच्चा	बिस्कुट कुतरते हैं।	आँसू
2	थका युवक	सपनों को सहला करे हैं।	थकान
3	रिटायर्ड बूढ़ा	दोपहर में सो रहे हैं।	विश्राम
4	वे दोनों (प्रेमी-प्रेमिका)	ज़िंदगी के सपने बुन रहे हैं।	प्रेम

कविता में:

- ✓ पत्थर की बेंच पर सभी पीढ़ियों के लोग बैठते हैं।
- ✓ वे लोग अपने सुख-दुख में उसी बेंच का सहारा लिया है।
- ✓ बेंच पर आँसू, थकान, विश्राम और प्रेम की स्मृतियाँ अंकित हैं।
- ✓ कवि की आशंका यह है कि उस बेंच के लिए भी एक दिन हत्याओं की परंपरा शुरू हो सकता है।
- ✓ स्वार्थता से मानव कभी उसे उखाड़ कर ले जाए या तोड़ दें।
- ✓ कौन उसपर सबसे पहले बैठा होगा, यही बात अब भी अज्ञात है।
- ✓ पत्थर की बेंच सामाजिकता का प्रतीक है।

- कविता की आस्वादन टिप्पणी। समानार्थी शब्द।

POSSIBLE QUESTIONS:

- Objective type - 1 mark
- Very short Answer - 1 or 2 marks.
- Short Answer - 4 or 6 marks
- Long Answer - 8 marks

अनुवाद

अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करने के लिए दैनिक जीवन से संबंधित छोटे वार्तालाप होंगे। 6-8 वाक्यों का वह वार्तालाप हिंदी में अनुवाद करना है। खास बात यह है कि कठिन शब्दों का हिंदी अनुवाद प्रश्न पत्र में होगा।

MODEL:

अंग्रेजी संवाद का हिंदी में अनुवाद करें।

Rahul : May I come in, Sir.
Teacher : Yes, stand here. Why do you always come late?
Rahul : I didn't get bus in time.
Teacher : What time do you get up?
Rahul : I get up about 7 AM.
Teacher : My dear, it is a bad habit. Change your routine. Get up early in morning.
Rahul : Yes sir.

(Habit - आदत, Routine - दिनचर्या)

उत्तर:

राहुल : जी, मैं अंदर आऊँ?
अध्यापक : हाँ, यहाँ खड़ा करो। तुम हमेशा देर से क्यों आते हो?
राहुल : मुझे समय पर बस नहीं मिला।
अध्यापक : तुम कब उठते हो?
राहुल : मैं सबेरे 7 बजे उठता हूँ।
अध्यापक : मेरे प्यारे, यह बुरी आदत है। अपनी दिनचर्या बदलें। जल्दी उठो।
राहुल : ज़रूर जी।

दुख

कहानी

यशपाल

श्री यशपाल का जन्म 3 दिसंबर 1903 को पंजाब के फिरोजपुर छावनी में हुआ। पिंजरे की उड़ान, झूठा-सच, अमिता आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। वे हिंदी के शीर्षस्थ कहानीकारों में एक हैं। पद्मभूषण, साहित्य अकादमी पुरस्कार आदि से वे सम्मानित भी थे। 26 दिसंबर 1976 को उनका देहांत हुआ।

प्रमुख पात्र:

दिलीप, हेमा, खोमचेवाला लड़का, माँ
दिलीप के छोटे भाई तथा नौकर (अन्य पात्र)

कहानी के बारे में:

- ✓ दिलीप और हेमा पति-पत्नी हैं।
- ✓ दिलीप हेमा को पूर्ण स्वतंत्रता दी थी।
- ✓ फिर भी अपनी सहेली के साथ सिनेमा देख आने के कारण हेमा माँ के घर चली गई।
- ✓ वितृष्णा और ग्लानि में जब समय काटना मुश्किल हो गया तो दिलीप साइकिल लेकर घर से निकला।
- ✓ घंटों तक मिंटो पार्क की ठंड हवा खाने के बाद वह घर लौटा।
- ✓ उसी समय सुनसान सड़क पर एक नींबू पेड़ के नीचे कोई श्वेत सी चीज़ देखा।
- ✓ आगे बढ़ने पर उसे मालूम हुआ, वह एक छोटा लड़का है, जो कुछ बेच रहा है।
- ✓ दिलीप ने देखा उसके सामने की थाली में आठ पैसे की पकौड़े हैं।
- ✓ उसका शरीर और आयु में दिलीप आकृष्ट हुआ।

- ✓ सुनसान सड़क पर रात में सौदा बिकने के लिए बैठनेवाला लड़के की घर की हालत देखने की इच्छा में दिलीप उसे आठ पैसे के बदले एक रुपया दिया।
- ✓ फिर बाकी लाने के लिए दिलीप उसके घर गया।
- ✓ उस बच्चे के बाप मर चुके थे। घर में केवल माँ है। माँ एक घर में चौका-बर्तन करती थी। घरवाली ने उसे काम से हटा कर जगत् की माँ को रख लिया है।
- ✓ चलते-चलते वे संकरी गली में एक खिड़की जैसा दरवाज़ा के सामने पहुँचा।
- ✓ दिलीप झाँककर देखा। मिट्टी की तेल की ढिबरी के धुँधला प्रकाश में वह उस छोटे कमरे और उसके माँ को देखा।
- ✓ उस घर में भी पैसे नहीं थे, दिलीप रुपए देकर पीछे हट गया।
- ✓ माँ और बच्चे को देखकर दिलीप वहाँ खड़ा।
- ✓ घर में केवल एक रोटी था, उसे लेकर माँ-बेटे के बीच का प्यार देखकर दिलीप का मन द्रवित हो गया।
- ✓ घर लौटा तो नौकर आकर खाने के लिए बुलाया तो दिलीप ने कहा “भूख नहीं है।”
- ✓ इतने में भाई आकर हेमा का पत्र दिया। दिलीप उसे फाड़कर फेंक दिया।
- ✓ माँ-बेटे का असली दुख और अपनी पत्नी का रसीला दुख की पहचान में कहानी समाप्त होती है।

- कहानी ध्यान से पढ़ें।

POSSIBLE QUESTIONS:

- Objective type - 1 mark
- Very short Answer - 1 or 2 marks.
- Short Answer - 4 or 6 marks
- Long Answer - 8 marks

अपराध

कहानी

उदयप्रकाश

श्री उदयप्रकाश का जन्म 1 जनवरी 1952 को मध्यप्रदेश में हुआ। कवि ने कहा, तिरिछ आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। वे केंद्र साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित थे।

प्रमुख पात्र:

छोटे भाई (लेखक) और बड़े भाई।
माताजी और पिताजी।

कहानी के बारे में:

- ✓ दोनों भाईयों में छह वर्ष का अंतर था।
- ✓ गाँव के सारे लड़के बड़े भाई के उम्रवाले थे।
- ✓ बड़े भाई अपाहिज थे, फिर भी सुंदर थे। अच्छे तैराक थे और अन्य खास विशेषता भी थे।
- ✓ छोटे तो दुबला-पतला था, कमज़ोर था।
- ✓ छोटे होने के कारण सब खेलते समय वह अकेला छोड़ता है।
- ✓ छोटे के मन में बड़े के प्रति ईर्ष्या उत्पन्न हुआ।
- ✓ एक दिन खड़बल खेलते समय उसे अकेला छोड़ा तो वह अकेले खेल रहे थे।
- ✓ अचानक एक पत्थर से टकराकर उसके माथे पर लगा।
- ✓ माथा फूट गया, खून बहने लगा।
- ✓ वह घर जाकर झूठ बोली कि भाई ने उसको खड़बल से मारा।
- ✓ बापितादी ने उसे सज़ा दिया।

- ✓ छोटे को सच बोलने की इच्छा हुई लेकिन देर हो चुकी थी।
- ✓ सालों बाद भी यह घटना छोटे भाई को सताती रहा। वह क्षमा माँगना चाहा, लेकिन अब समय तो ज़्यादा बीत गया था।

- कहानी अच्छी तरह समझें।

POSSIBLE QUESTIONS:

- Objective type - 1 mark
- Very short Answer - 1 or 2 marks.
- Short Answer - 4 or 6 marks
- Long Answer - 8 marks

समय के साथ हम भी

यह पाठ पारिभाषिक शब्दावली से संबंधित है। पाठ पुस्तक के पन्ना 94 में जो अंग्रेज़ी शब्द और उनके हिंदी हैं, वे अच्छी तरह पढ़ें।

8 अंक का प्रश्न होगा।

कहना नहीं आता

कविता

पवन करण

श्री पवन करण का जन्म 18 जून 1964 को मध्यप्रदेश के ग्वालियर में हुआ। इस तरह मैं, स्त्री मेरे भीतर आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। कविताओं में जन साधारण की जीवन की व्याख्या उनकी विशेषता है। वे केदार सम्मान से पुरस्कृत हैं।

कविता के बारे में:

- ✓ 'मैं' समाज के शोषित और उपेक्षित वर्ग का प्रतिनिधि है।
- ✓ उनके पास कहने के लिए बहुत सारे हैं, कहने की कोशिश भी है।
- ✓ लेकिन समाज का शक्तिशाली वर्ग उन्हें कहने का अवसर नहीं देता है।
- ✓ 'तुम्हें', समाज के एक बड़े भाग, जो शोषित और उपेक्षित है, उनका प्रतिनिधित्व करता है।

- कविता की आस्वादन टिप्पणी पर ध्यान रखें।

POSSIBLE QUESTIONS:

- Objective type - 1 mark
- Very short Answer - 1 or 2 marks.
- Short Answer - 4 or 6 marks

Chapter wise weightage (As per Model Examination June 2022)

No	Name of Lesson	No. of Questions					Total	
		1	2	4	6	8	Ques	Score
1	अनुताप	1	1	1 (जीवन वृत्त)	1 (डायरी)		4	13
2	मधुऋतु	1		1 (भावार्थ)			2	5
3	यह हमारा अधिकार है					1	1	8
4	जुलूस			1 (चरित्र)			1	4
5	दोहे			1 (आशय)			1	4
6	फिल्मी समीक्षा					1	1	8
7	आपकी आवाज़						0	0
8	चाँद और कवि	2			1 (आस्वादन)		3	8
9	आनंद की फुलझड़ियाँ	1	1	1	1 (वार्तालाप)		4	13
10	पत्थर की बेंच	1	1				2	3
11	सृजन की ओर....				1		1	6
12	दुख	1	1		6 (पत्र)		3	9
13	अपराध	1	1		1 (संक्षेपण)		3	9
14	समय के साथ हम भी				1		1	8
15	कहना नहीं आता						0	0
16	पोस्टर				1		1	6
17	विज्ञापन					1	1	8
18	लेख					1	1	8

പരീക്ഷാ സമയത്ത് ശ്രദ്ധിക്കേണ്ടത്:

- ഒരു മാർക്കിനുള്ള എല്ലാ ചോദ്യങ്ങൾക്കും ഉത്തരമെഴുതുക.
- സ്കോറും സമയവും ശ്രദ്ധിക്കുക.
- 80 മാർക്ക് പരീക്ഷ. Cool of time നന്നായി വിനിയോഗിച്ച് ഓരോ വിഭാഗത്തിൽ നിന്നും എതൊക്കെ ചോദ്യങ്ങൾക്ക് കൃത്യമായി ഉത്തരമെഴുതാൻ കഴിയുമെന്ന് തീരുമാനിച്ചു പെൻസിൽ കൊണ്ടോ മറ്റോ അടയാളപ്പെടുത്തി വയ്ക്കുക. ഓപ്ഷനുകളിൽ നിന്നും തിരഞ്ഞെടുക്കുമ്പോൾ സൂചനാ കാ അധികാര പत्र, फिल्मी समीक्षा, विज्ञापन, पोस्टर, पारिभाषिक शब्दावली, संक्षेपण, अनुवाद, जीवन-वृत्त पर अनुच्छेद, चरित्र पर टिप्पणी, आस्वादन टिप्पणी എന്നിവയ്ക്ക് മുൻഗണന കൊടുക്കുവാൻ ശ്രദ്ധിക്കുക. ഇവയ്ക്കു ശേഷമാകട്ടെ പാഠഭാഗങ്ങളെ ആസ്പദമാക്കിയുള്ള വार्तालाप, पत्र, आत्मकथांश, डायरी മുതലായവ എഴുതുന്നത്. പാഠപുസ്തകത്തിനു പുറത്തുള്ള ചോദ്യങ്ങളായ भाषण, निबंध/आलेख/लेख മുതലായവയെഴുതി വിലയേറിയ സമയം ചെലവഴിക്കരുത്.
- ഓരോ സെക്ഷനിൽ നിന്നും ആവശ്യത്തിനുള്ള ചോദ്യങ്ങളുതയും എഴുതിയിട്ടുണ്ട് എന്ന് ഉറപ്പ് വരുത്തുക. അതായത് 10 ചോദ്യങ്ങൾ തന്നിട്ട് 5 എണ്ണം എഴുതണമെങ്കിൽ 5 എണ്ണവും എഴുതിയിട്ടുണ്ട് എന്ന് ഉറപ്പിക്കണം. (അധികം എഴുതിയാൽ കുഴപ്പമില്ല, പക്ഷേ കുറഞ്ഞ പോകരുത്).
- പേപ്പർ കൊടുക്കുന്നതിന് മുൻപ് എല്ലാ ചോദ്യങ്ങൾക്കും ഉത്തരമെഴുതിയിട്ടുണ്ട് എന്ന് ഉറപ്പാക്കുക.
- March 2021 ലെ ചോദ്യപേപ്പറിൽ 8 മാർക്കിനുള്ള 10 ചോദ്യങ്ങളിൽ നിന്നും 5 എണ്ണമെഴുതണമെന്നായിരുന്നു നിർദ്ദേശം. ഈ ചോദ്യങ്ങളിലായിരുന്നു **संक्षेपण, पोस्टर, विज्ञापन, सही मिलान (पारिभाषिक शब्दावली), സൂചനാ കാ അധികാര പत्र, फिल्मी समीक्षा** എന്നിവ ഉൾപ്പെട്ടിരിക്കുന്നത്. ഇതു തന്നെ **6** ചോദ്യങ്ങളുണ്ട്. (ബാക്കിയുള്ള **4** ചോദ്യങ്ങളായ **निबंध, पत्र, डायरी, वार्तालाप** എന്നിവയൊഴിവാക്കിയാൽ തന്നെ സ്കോർ വർദ്ധിപ്പിക്കുവാനുതകുന്ന തരത്തിലുള്ള ഓപ്ഷനുകൾ ഈ വിഭാഗത്തിലുണ്ട്. ആയത് കണ്ടത്തി ഉത്തരങ്ങൾ എഴുതുവാൻ ശ്രദ്ധിക്കണം. എല്ലാ വിഷയങ്ങളും നന്നായി പഠിക്കുവാൻ സമയം വിനിയോഗിക്കുക.

BEST WISHES Dear Students....

Prepared By:

MALINI M S

HSST Hindi

GHSS Thenkurussi, Palakad.